हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 07 | श्रावस्ती, शुक्रवार 13 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

हृदय विदारक हादसा, मेरी संवेदनाएं सभी लोगों के साथ, अहमदाबाद विमान हादसे पर बोले पीएम मोदी

नयी दिल्ली (एजेन्सी) गुजरात के अहमदाबाद में वीरवार दोपहर को एक दर्दनाक विमान हादसा हुआ। इस हादसे में लोगों के 133 लोगों के मारे जाने की जानकारी सामने आई, जबकि बाकी लोग घायल बताए जा रहे हैं। (फिलहाल यहां पर इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती।) इस हादसे के बाद से अलग– अलग मंत्रियों के बयान सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे हृदय विदारक है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। विमान हादसे को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। आपदा प्रतिक्रिया बलों को तुरंत दुर्घटनास्थल पर भेज दिया गया है। स्थिति का आकलन करने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त से बात की। उन्होंने लिखा, अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों को तत्काल बचाव और राहत कार्य शुरू करने और घायल यात्रियों का युद्ध स्तर पर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था की गई है, जहां सभी आवश्यक उपचार व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने भी एक्स पर पोस्ट कर लिखा,इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद माननीय मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्रवाई की है। अस्पताल हाई अलर्ट पर हैं और 108 सेवाओं सहित सभी एम्बुलेंस तैयार हैं। त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को अस्पतालों और हवाई अड्डे पर तैनात किया गया है। उन्होंने लिखा, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और अपडेट और मार्गदर्शन दे रहा है। माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी संपर्क में हैं और बचाव प्रयासों का सक्रियता से मार्गदर्शन कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने जांच में मांग रही है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बारे में तत्काल स्पष्टीकरण होना चाहिए ताकि सभी संदेह दूर हो सकें। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के लिए प्रार्थना। बचाव, राहत और चिकित्सा उपचार का उच्चतम स्तर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने भी एक्स पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बारे में सुनकर स्तब्ध और दुखी हूं। हम जीवित बचे लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और प्रभावित लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे में सभी 242 यात्रियों की मौत,

एयर इंडिया की फ्लाइट लंदन जा रही थी, 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश सवार थे, पूर्व सीएम रूपाणी का भी निधन

अहमदाबाद (एजेन्सी) फ्लाइट नंबर एआई–171 ने दोपहर 1.38 बजे उड़ान भरी और 1.40 बजे हादसा हो गया। उस समय प्लेन 625 फीट की ऊंचाई पर था। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें सवार सभी 242 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी ने गुजरात पुलिस कमिश्नर के हवाले से यह जानकारी दी। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई–171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने एक्स पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं। एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर एआई–171 ने दोपहर 1.38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1.40 बजे यह क्रैश हो गई। जानकारी के मुताबिक विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। दरअसल, 133 से ज्यादा यात्रियों को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह दुर्घटना अहमदाबाद के मेघानीनगर इलाके के पास हुई। विमान टेक–ऑफ के दौरान क्रैश हुआ है। प्लेन के क्रैश होने के तुरंत बाद घटनास्थल से आसमान में काला धुंआ उठता हुआ देखा गया है। इससे विमान दुर्घटना में भारी नुकसान का अनुमान है। एयर इंडिया की ये बोइंग 737 पैसेंजर फ्लाइट थी। फ्लाइट अहमदाबाद एयरपोर्ट से लंदन के लिए रवाना हो रही थी। अभी तक की जानकारी के मुताबिक, इस यात्री विमान में क्रू मेंबर समेत 133 से ज्यादा यात्री सवार थे। प्लेन क्रैश होने के बाद फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। राहत और बचाव का काम किया जा रहा है। हालांकि इस हादसे में कितना जानमाल का नुकसान हुआ है, इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हादसा अहमदाबाद हॉर्स कैंप के पास हुआ, ये क्षेत्र सिविल हॉस्पिटल के पास है। स्टेट पुलिस कंट्रोल रूम ने हादसे की पुष्टि की है। अधिकारियों ने लोगों से घटनास्थल से दूर रहने का आग्रह किया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि

दुर्घटनास्थल से भारी धुआं उठ रहा था, जिसे वस्त्रपुर के कुछ हिस्सों सहित कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। अचानक हुई इस घटना से स्थानीय निवासियों में चिंता फैल गई है। इस हादसे को लेकर एयर इंडिया की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी गई। उन्होंने लिखा, फ्लाइट एआई171 अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही थी। आज 12 जून को दुर्घटना का शिकार हुई है। हम अभी विवरण की जांच कर रहे हैं और इस मामले में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और एअर इंडिया की वेबसाइट पर अधिक जानकारी साझा करेंगे। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से अहमदाबाद विमान हादसे के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की तरफ से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

अहमदाबाद विमान हादसे पर गृह मंत्री अमित शाह ने जताया दुख

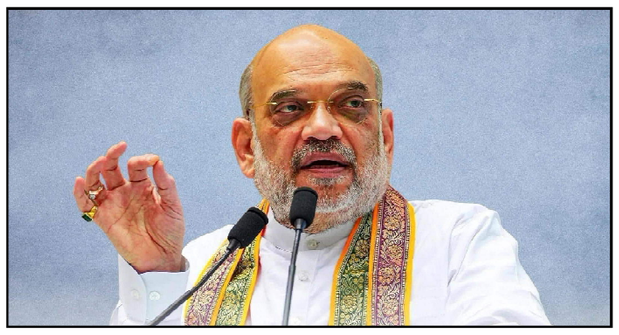

नई दिल्ली (एजेन्सी)। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को बड़ा विमान हादसा हुआ है। विमान एयर इंडिया का बताया जा रहा है, जिसमें 200 से ज्यादा यात्री सवार थे। इस हादसे के बाद अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि अगली सूचना आने तक सभी उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विमानन मंत्री राम मोहन नायडू से फोन पर बात की और विमान हादसे की जानकारी ली। राम मोहन नायडू के कार्यालय ने जानकारी दी कि मंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि वह तुरंत अहमदाबाद पहुंच रहे हैं, ताकि राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर सकें। प्रधानमंत्री ने मंत्री को निर्देश दिए कि सभी जरूरी सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जाए और उन्हें लगातार स्थिति की जानकारी दी जाए। सभी संबंधित एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं और मिलकर काम कर रही हैं। विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने एक्स पर कहा, अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। हम हाई अलर्ट पर हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और सभी विमानन और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। बचाव दल को तैनात कर दिया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि चिकित्सा सहायता और राहत सहायता घटनास्थल पर पहुंचाई जाए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बारे में जानकर मैं बहुत व्यथित हूं। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। इस दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा, आपदा प्रतिक्रिया बलों को तुरंत दुर्घटना स्थल पर भेज दिया गया है। स्थिति का आकलन करने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त से बात की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, अहमदाबाद में एक दुखद दुर्घटना हुई है। एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यह लंदन जा रहा था। बहुत सारे यात्रियों की जान चली गई है। मैं यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।

शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी ने एक्स पर लिखा, हम एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 की त्रासदी से स्तब्ध और बहुत दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्हें अकल्पनीय क्षति हुई है। हम सभी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जमीन पर मौजूद परिवारों को पूरा समर्थन दे रहे हैं।

ट्रंप ने ५ मिलियन डॉलर की गोल्ड कार्ड इमिग्रेशन वेबसाइट लॉन्च की

वाशिंगटन (एजेन्सी) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धनी विदेशियों के लिए एक नया इमिग्रेशन कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे ष्गोल्ड कार्डष् नाम दिया गया है। इस योजना के तहत, आवेदक 5 मिलियन डॉलर (लगभग 43 करोड़ रुपये) का भुगतान करके स्थायी निवास हासिल करने की राह पर चल सकते हैं। लंबे समय से चर्चित इस कार्यक्रम का बुधवार को एक नए सरकारी वेबसाइट के माध्यम से ष्गोल्ड कार्डष् का अनावरण किया गया। इस वेबसाइट पर, इच्छुक व्यक्ति अपनी जानकारी दर्ज कर प्रतीक्षा सूची में शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है, यह श्ट्रंप कार्डश् पांच मिलियन डॉलर में आ रहा है, वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, ष्हजारों लोग पूछ रहे हैं और पूछ रहे हैं कि वे दुनिया के सबसे महान देश और बाजार तक पहुंचने के लिए एक सुंदर रास्ते पर कैसे साइन अप कर सकते हैं।ष

ट्रंप इस कार्यक्रम को एक फास्ट–ट्रैक इमिग्रेशन विकल्प के रूप में बढ़ावा दे रहे हैं, जिसका उद्देश्य उच्च वर्गीय लोगों को आकर्षित करना है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में रहना चाहते हैं और वहां की नागरिकता लेना चाहते हैं। मौजूदा ईबी–5 निवेशक वीजा के एक अधिक उन्नत विकल्प के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। ट्रंप ने गोल्ड कार्ड को ष्ग्रीन कार्ड विशेषाधिकार प्लसष के रूप में वर्णित किया। हालांकि, घोषणा के इर्द–गिर्द चर्चा के बावजूद, गोल्ड कार्ड अभी भी खरीदने के लिए उपलब्ध नहीं है। आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, उपयोगकर्ता वर्तमान में केवल अपनी संपर्क जानकारी सबमिट कर सकते हैं ताकि आवेदन खुलने पर उन्हें सूचित किया जा सके। ट्रंपकार्डजीओवी के होमपेज पर संदेश में लिखा है, ष्एक्सेस खुलते ही सूचित होने के लिए नीचे अपनी जानकारी दर्ज करें। कार्यक्रम के दायरे को स्पष्ट करते हुए ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि गोल्ड कार्ड तत्काल नागरिकता प्रदान नहीं करता है। ट्रंप ने कहा, यह कुछ हद तक ग्रीन कार्ड जैसा है, लेकिन

उच्च स्तर की परिष्कृतता के साथ। यह उन लोगों के लिए नागरिकता का मार्ग है, जो धनी होने के साथ प्रतिभाशाली है। यूएसए टुडे की रिपोर्ट ने पुष्टि की कि 5 मिलियन डॉलर का भुगतान स्थायी निवास का द्वार खोलता है, लेकिन यह स्वचालित नागरिकता की गारंटी नहीं देता है, जिसके लिए अभी भी कुछ कानूनी मानदंडों और निवास आवश्यकताओं को पूरा करना आवश्यक होगा।

गुजरात सीएम से अमित शाह ने की बात

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात की और राज्य को सहायता का आश्वासन दिया। यह घटना एयर इंडिया की फ्लाइट AI–171 के लंदन जाने के कुछ ही मिनटों बाद हुई, जिसमें 242 यात्री सवार थे। यह फ्लाइट अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसके अलावा, विमान दुर्घटना के मद्देनजर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू भी अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने ट्वीट किया कि अहमदाबाद में एयर इंडिया के यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों को तत्काल बचाव और राहत कार्य चलाने और घायल यात्रियों के तत्काल उपचार की व्यवस्था युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए हैं। मैंने घायल यात्रियों को इलाज के लिए ले जाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था करने और अस्पताल में इलाज की सभी व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

राम मोहन नायडू से मोदी ने की बात

नई दिल्ली (एजेन्सी)। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास मेघानीनगर में गुरुवार दोपहर 242 यात्रियों को लेकर जा रहा एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एयरपोर्ट परिसर से धुएं का घना बादल उठता देखा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की है। उन्होंने उनसे अहमदाबाद जाकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विमान दुर्घटना से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जाए। राममोहन नायडू के कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से बात की और अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना की घटना का जायजा लिया। मंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि वे बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए अहमदाबाद जा रहे हैं।

तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

छत्तीसगढ (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 19 लाख रुपये के इनामी तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटनाक्रम 2 जून को राज्य के सुकमा जिले में 16 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इनमें से छह नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 25 लाख रुपये का इनाम था। इनमें से नौ नक्सली चिंतलानार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत केरलापेंडा ग्राम पंचायत के थे। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को पूर्व बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर छह में सक्रिय नक्सली भीमा उर्फ ढोलू उर्फ दिनेश पोड़ियाम (40) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि इससे पहले जिले में दो महिला नक्सली सुकली कोर्राम उर्फ सपना और देवली मंडावी ने भी आत्मसमर्पण किया।

भाजपा नेता ने ममता सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रवींद्रनगर पुलिस स्टेशन के बाहर विवादित भूमि को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद दक्षिण 24 परगना के रवींद्रनगर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कथित तौर पर महेशतला (मेटियाबुरुज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत) के वार्ड नंबर 7 में अतिक्रमित भूमि पर दुकानें बनाने से शुरू हुआ विवाद तेजी से बढ़ गया। इस दौरान पत्थर और ईंटें फेंकी गईं और एक मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया गया। कानून प्रवर्तन पर किए गए पथराव में एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया।दक्षिण 24 परगना में उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प पर एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले के आदेश में खास तौर पर कहा था कि जहां भी सांप्रदायिक हिंसा होगी।

अहमदाबाद विमान हादसे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताई संवेदना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद राष्ट्रपति ने अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर अत्यंत व्यथित हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बारे में जानकर मैं बहुत व्यथित हूँ। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ प्रभावित लोगों के साथ हैं। इस अवर्णनीय दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को हृदय विदारक बताया और कहा कि इससे हम स्तब्ध और दुखी हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे मंत्रियों और अन्य अधिकारियों के संपर्क में हैं। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अहमदाबाद में हुई त्रासदी से हम स्तब्ध और दुखी हैं। यह हृदय विदारक है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। एयर इंडिया का बयान सामने आया है। इसमें कहा गया है कि 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, 1 कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक विमान में सवार थे। विमान में कौन–कौन लोग सवार थे, इसे लेकर भी लगातार अपडेट सामने आ रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी इस फ्लाइट में सवार थे, लेकिन बाद में साफ हुआ कि वह इस फ्लाइट में मौजूद नहीं थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की।

मोदी सरकार के 11 साल पूरे,मंत्री बृजेश सिंह ने कहा अर्थव्यवस्था में ब्रिटेन-जापान से आगे भारत

नोएडा, (एजेन्सी)। ग्रेटर नोएडा के प्रेस क्लब में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान मंत्री बृजेश सिंह और सांसद महेश शर्मा ने सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि 2014 से पहले देश की स्थिति खराब थी। उन्होंने बताया कि लोगों का राजनीति और नेताओं से विश्वास उठ चुका था। लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद आम जनता के लिए लगातार काम हुआ है। मंत्री बृजेश सिंह ने बताया कि भारत अर्थव्यवस्था के मामले में ब्रिटेन और जापान से आगे निकल चुका है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुश्मनों को उनकी भाषा में जवाब देने में सक्षम है। प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी के कई पदाधिकारी और नेता मौजूद रहे। भाजपा के केंद्र में 11 साल पूरे होने पर पार्टी के जनप्रतिनिधि देशभर में सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं।

वाहन चेकिंग के दौरान स्कॉर्पियो ने पुलिसवालों को रौंदा, 1 महिला सिपाही की मौत

पटना (एजेन्सी) पटना में बुधवार (11 जून) रात अटल पथ पर वाहन चेकिंग के दौरान स्कार्पियो ने 3 पुलिस कर्मियों पर गाड़ी चढ़ा दी। यह घटना एसकेपुरी थाना इलाके में रात 12.30 बजे की है। दीघा की ओर से 90 किलोमीटर की रफ्तार से आ रही स्कार्पियो की टक्कर से एसआई दीपक कुमार, एएसआई अवधेश और महिला सिपाही कोमल हवा में उछल कर दूर गिर गए। बुधवार की रात को हुई इस घटना से घायल चारों को पास के ही अस्पताल में ले जाया गया। जहां महिला सिपाही कोमल की मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक, कोमल नालंदा जिला की रहने वाली थी। एसआई और एएसआई की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि पुलिस चेकिंग कर रही है। एक स्कॉर्पियो को रोककर पूछताछ की जा रही है।इसी दौरान तेज रफ्तार दूसरी स्कॉर्पियो पुलिस वालों को टक्कर मार देती है। मुख्य बात ये है कि उस गाड़ी पर बीजेपी का झंडा लगा था। बताया जा रहा है कि जिस स्कॉर्पियो गाड़ी ने टक्कर मारी उस गाड़ी में बैठे दो व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है वहीं ड्राइवर फरार है।

फ्रांस में जयशंकर ने राष्ट्रपति मैक्रों से की मुलाकात, आतंकवाद खिलाफ समर्थन के लिए दिया धन्यवाद

मास्को (एजेन्सी) विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन के फ्रांस के मजबूत संदेश के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति को रेखांकित करने के लिए यूरोप के तीन देशों की यात्रा पर हैं। यह यात्रा गत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हो रही है। जयशंकर ने मुलाकात के बाद 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिवादन उन्हें प्रेषित किया। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन के फ्रांस के मजबूत संदेश के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।" उन्होंने कहा, "हमारी चर्चाओं में हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रति विश्वास, सहजता और महत्वाकांक्षा की झलक मिली। जयशंकर बुधवार को ब्रसेल्स में थे, जहां उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और ईयू–भारत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिसके बाद भारत ने 6–7 मई की रात को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों पर सटीक हमले किए।

सम्पादकीय

दक्षिण एशिया में भारत के लिए फिर से बढ़ रही चुनौती, रहना होगा अलर्ट

पहलगाम हमला और उसके बाद भारत के आपरेशन सिंदूर की वजह से दक्षिण एशिया हाल के दिनों में दुनिया भर की मीडिया में सुर्खियों में रहा है। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन तक, अफ्रीकी महादेश व दक्षिण अमेरिकी देशों से लेकर यूरोपीय देशों व एशिया के अन्य देशों ने भारत व पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति को लेकर चिंता जताई है। लेकिन अगर आप थोड़ा गौर से देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव की मौजूदा स्थिति के अलावा भी दक्षिण एशिया में बहुत कुछ हो रहा है। असलियत में देखा जाए तो जिस तरह से वैश्विक शक्तियां इस समूचे क्षेत्र में सक्रियता दिखा रही हैं, वैसी स्थिति केवल पिछली सदी के सातवें दशक में ही दिखाई दी थी। तब अमेरिका और रूस के बीच प्रतिस्पर्द्धा का असर दक्षिण एशिया में दिखाई दिया था और अब रूस की जगह चीन ले चुका है। अमेरिका और चीन के बीच अफगानिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक में शतरंत की बिसात बिछती दिख रही है। अभी गेम की शुरुआत ही है और इसका रुख किस तरफ होगा, यह तो साफ नहीं है, लेकिन यह निश्चित है कि जो भी परिणाम होगा उसका भारत पर बड़ा असर होगा। पिछले दिनों एक तरफ भारत और पाकिस्तान के बीच मिसाइलों का आदान–प्रदान हो रहा था, तभी भारत और बांग्लादेश एक दूसरे के आर्थिक हितों के खिलाफ कदम उठा रहे थे। पहले बांग्लादेश ने जमीनी रास्ते से भारतीय सूत का आयात करना बंद किया तो उसके बाद भारत ने बांग्लादेश में तैयार रेडीमेड गार्मेंट्स का जमीनी रास्ते से भारत व यहां से दूसरे देशों को होने वाले निर्यात पर रोक लगा दी। इस खबर के बीच यह बात कहीं दब कर रह गई कि लंबे अरसे बाद बांग्लादेश और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग बढ़ने लगा है। बांग्लादेश के काक्स बाजार में अमेरिकी सेना और वायु सेना के सदस्यों के साथ बांग्लादेश की सेना के बीच एक सैन्य अभ्यास चल रहा है। वैसे यह अभ्यास असैनिक महत्व का है, लेकिन इसके मायने गहरे हैं। इसके तार कहीं न कहीं म्यांमार की मौजूदा आंतरिक हालात से जुड़े हैं। म्यांमार में सैनिक शासक कमजोर पड रहे हैं और देश के कई इलाके में विद्रोही समूहों का कब्जा हो चुका है। अमेरिका इन विद्रोही समूहों को शह देने की योजना बना रहा है। ऐसा करके वह सैनिक शासक व प्रधानमंत्री मिन आंग ह्वाइंग के लिए हालात मुश्किल करना चाहता है, लेकिन असली निशाने पर चीन है जो सैनिक तानाशाह को लगातार प्रश्रय दे रहा है। अमेरिका का दोहरा रवैया रू म्यांमार में अमेरिका के बढ़ती रुचि को संयुक्त राष्ट्र की तरफ से म्यांमार के रखाइन प्रांत के लिए मानवीय आधार पर गलियारा बनाने के प्रस्ताव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। इस गलियारे को बनाने के लिए अमेरिका को बांग्लादेश की मदद चाहिए। कहा तो यह जा रहा है कि इस गलियारे से रखाइन प्रांत में मानवीय सहायता पहुंचाई जा सकेगी, रोहिंग्याओं का पुर्नवास किया जा सकेगा आदि। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस इसके लिए तैयार भी हैं, लेकिन बांग्लादेश की सेना का कहना है कि इतना बड़ा फैसला लोकतांत्रिक सरकार को ही करना चाहिए। चीन के बढ़ते वर्चस्व से चिंतित अमेरिका बंगाल की खाड़ी में अपने हितों के मुताबिक विस्तार चाहता है। पूर्व पीएम शेख हसीना कह चुकी हैं कि अगर उन्होंने बंगाल की खाड़ी में स्थिति सेंट मार्टिन द्वीप को अमेरिका को सैन्य अड्डा बनाने के लिए दे दिया होता तो उन्हें सत्ता नहीं गंवानी पड़ती। अभी तक जो सूचनाएं सामने आ रही हैं, उससे यह भी पता चलता है कि अमेरिकी सरकार की म्यांमार को लेकर तैयार इस नई नीति में भारत के साथ कोई विमर्श नहीं किया गया है। वैसे अमेरिका हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए भारत को अपना अहम रणनीतिक साझेदार मानता है, लेकिन भारत के पड़ोस में चीन के प्रभाव को चुनौती देने के लिए जो नीति बना रहा है, उसमें भारत की कोई भूमिका नहीं है। भारत भी इस पूरे हालात पर नजर बनाए हुए है।

मोदी सरकार के 11 वर्षों का काम, विपक्ष को नहीं आया बिल्कुल भी रास

इस पर आश्चर्य नहीं कि विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस को मोदी सरकार के 11 वर्षों का काम बिल्कुल भी रास नहीं आया। कांग्रेस नेताओं ने मोदी सरकार की तीसरी पारी के पहले साल के कार्यकाल के कामकाज को भी खारिज करने का ही काम किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि भाजपा और आरएसएस ने हर संस्था को कमजोर करने के साथ उनकी स्वतंत्रता पर हमला किया है। उनके अनुसार मोदी सरकार ने 11 साल बर्बाद कर दिए और इस कालखंड में उसने संविधान के पन्नों पर केवल तानाशाही की स्याही पोती है। कांग्रेस नेता ऐसे आरोप पहले भी लगा चुके हैं। वे कुछ नया नहीं कह सके, लेकिन इस पर हैरानी है कि खरगे मोदी सरकार पर तानाशाही के रास्ते पर चलने का आरोप तब लगा रहे हैं, जब चंद दिनों बाद ही देश में आपातकाल थोपने के 50 साल पूरे होने जा रहे हैं। इसका मतलब है कि कांग्रेस नेता मोदी सरकार पर नए सिरे से पुराने आरोप लगाते समय यह भी ध्यान नहीं रखते कि उन्हें कब क्या कहना चाहिए। यह और कुछ नहीं, विरोध के लिए विरोध की राजनीति का ही परिचायक है। शायद इसी कारण दिल्ली में युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम बताते हुए अपने कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन किया और इस दौरान प्रधानमंत्री का पुतला भी फूंका। लोकतंत्र में यह सब चलता रहता है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष को सरकार की आलोचना इसी तरह करनी चाहिए? यदि किसी को इस आलोचना में सकारात्मकता अथवा रचनात्मकता दिखती है तो फिर नकारात्मकता किसे कहते हैं? अच्छा होता कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज की गहन समीक्षा करते समय इसी अवधि में अपने कामकाज की भी परख करती और यह देखती कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद पाने के अलावा मुख्य विपक्षी दल के रूप में उसने क्या हासिल किया है? यह प्रश्न उसे अपने आप से करना चाहिए।

ऐसा शायद ही हो, लेकिन एक अच्छे लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच इतने कटु संबंध नहीं होने चाहिए कि वे राजनीतिक दुश्मन जैसे दिखें। लोकतंत्र में सत्तापक्ष के साथ ही विपक्ष की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दोनों को रथ के पहियों की संज्ञा दी जाती है। वर्तमान में अपने देश में ऐसी संज्ञा नहीं दी जा सकती। विपक्ष बिना विचारे सरकार के हर फैसले का विरोध ही करने को उतावला रहता है। यह ठीक नहीं। इसका नुकसान दल विशेष को नहीं, देश को हो रहा है। उचित होगा कि सत्तापक्ष और विपक्ष के नेता आपसी संपर्क और संवाद के जरिये अपने रिश्तों को ठीक करने की दिशा में आगे बढ़ें।

यह ध्यान रहे कि ताली दोनों हाथ से बजती है। कांग्रेस नेता ऐसे आरोप पहले भी लगा चुके हैं। वे कुछ नया नहीं कह सके, लेकिन इस पर हैरानी है कि खरगे मोदी सरकार पर तानाशाही के रास्ते पर चलने का आरोप तब लगा रहे हैं, जब चंद दिनों बाद ही देश में आपातकाल थोपने के 50 साल पूरे होने जा रहे हैं। इसका मतलब है कि कांग्रेस नेता मोदी सरकार पर नए सिरे से पुराने आरोप लगाते समय यह भी ध्यान नहीं रखते कि उन्हें कब क्या कहना चाहिए। यह और कुछ नहीं, विरोध के लिए विरोध की राजनीति का ही परिचायक है। शायद इसी कारण दिल्ली में युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम बताते हुए अपने कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन किया और इस दौरान प्रधानमंत्री का पुतला भी फूंका। लोकतंत्र में यह सब चलता रहता है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष को सरकार की आलोचना इसी तरह करनी चाहिए? यदि किसी को इस आलोचना में सकारात्मकता अथवा रचनात्मकता दिखती है तो फिर नकारात्मकता किसे कहते हैं? अच्छा होता कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज की गहन समीक्षा करते समय इसी अवधि में अपने कामकाज की भी परख करती और यह देखती कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद पाने के अलावा मुख्य विपक्षी दल के रूप में उसने क्या हासिल किया है? यह प्रश्न उसे अपने आप से करना चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था को भारतीय रिजर्व बैंक के दो महत्वपूर्ण तोहफे

प्रहलाद सबनानी

दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है। अतः यह राशि इन बैंकों की पहुंच से बाहर हो जाती है एवं ऋण के रूप में इसे बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है।

वैश्विक स्तर पर विश्व के कई देशों में आर्थिक गतिविधियों पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में तो श्री डॉनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से नित नई घोषणाएं की जा रही है। कभी टैरिफ को बढ़ाया जा रहा है तो कभी टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा है। कुल मिलाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। अभी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रम्प एवं अमेरिका के एक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली मंत्री श्री एलान मस्क के बीच युद्ध छिड़ गया है एवं अब वे एक दूसरे पर गम्भीर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का इन सब बातों से बहुत नुक्सान होता हुआ दिखाई दे रहा है। बेरोजगारी भत्ता लेने वाले नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है, अमेरिकी कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी पर विचार किया जा रहा है एवं आर्थिक विकास दर कम हो रही है। दूसरी ओर, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के आसार अभी भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक तरह से इजराईल, हम्मास के बीच युद्ध अभी भी जारी ही है। चीन एवं अमेरिका के बीच में आई खटास भी कम होने का नाम नहीं ले रही है। वैश्विक स्तर पर इन समस्त घटनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था नित नई ऊचाईयों को छूने की ओर अग्रसर है। भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। केलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में यह लगातार तीसरी कटौती की गई है एवं कुल मिलाकर रेपो दर में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा चुकी है। फरवरी 2025 एवं अप्रेल 2025 घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से रेपो दर में दोनों बार 25 आधार बिंदुओं की कमी की गई थी। रेपो दर उस दर को कहते हैं, जिस दर पर भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण उपलब्ध कराता है एवं विभिन्न बैंक रेपो दर को आधार दर बनाते हुए इस दर पर कुछ आधार बिंदु (जमाराशि की लागत एवं लाभ की राशि का समायोजन करते हुए) जोड़ते हुए, ब्याज की दर पर, अपने ग्राहकों को ऋणराशि उपलब्ध कराते हैं। दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है। अतः यह राशि इन बैंकों की पहुंच से बाहर हो जाती है एवं ऋण के रूप में इसे बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। यदि नकद आरक्षित अनुपात को कम कर दिया जाता है तो बैंकों के पास यह राशि ऋण के रूप में प्रदान करने के लिए उपलब्ध हो जाती है। इससे स्पष्टतरू बैंकों की लाभप्रदता में सुधार होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के उक्त महत्वपूर्ण दोनों निर्णयों से वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत में उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करने में सहायता मिलेगी क्योंकि बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करेंगे।

इससे, विशेष रूप से व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, आदि सस्ते होंगे और अब प्रति माह ग्राहकों द्वारा इन ऋणों पर अदा की जाने वाली मासिक किश्त की राशि में कमी आएगी और इन नागरिकों के पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त राशि उपलब्ध होने लगेगी, जिसे वे अन्य पदार्थों को खरीदने में खर्च कर सकेंगे। साथ ही, ऋण पर ब्याज राशि कम होने से विभिन्न उत्पादक कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी क्योंकि उन्हें अब बैंकों से लिए गए ऋण पर कम ब्याज देना होगा। लाभप्रदता में होने वाली इस अतिरिक्त वृद्धि के चलते यह कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में गम्भीरता से विचार करेंगी क्योंकि उत्पादों की होने वाली मांग में वृद्धि की पूर्ति जो करनी है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जून 2025 माह में घोषित मौद्रिक नीति को अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा हाल ही के वर्षों में घोषित की गई सबसे बेहतरीन मौद्रिक नीति माना जा रहा है। इस मौद्रिक नीति को भारत के शेयर बाजार ने भी दिनांक 6 जून 2025 को त्वरित सकारात्मक उत्तर दिया और निफ्टी एवं सेन्सेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्याज दरों से जुड़े क्षेत्रों विशेष रूप से बैंकिंग, रीयल एस्टेट एवं ऑटो क्षेत्र की कम्पनियों के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। दरअसल अधिकतर अर्थशास्त्री रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की उम्मीद कर रहे थे परंतु भारतीय रिजर्व बैंक ने 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा करते हुए अपनी आक्रात्मक नीति का परिचय दिया है। अतः रेपो दर में उम्मीद से अधिक कटौती होने पर निवेशकों का भारतीय कम्पनियों, विशेष रूप से वे कम्पनियां जो घरेलू मांग एवं ऋण पर निर्भर रहती हैं, पर भरोसा बढ़ा है। भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता एवं उत्पादों की बिक्री में लगातार हो रहे तेज सुधार के चलते इन भारतीय कम्पनियों की साख अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बढ़ेगी। आगे आने वाले समय में यह कम्पनियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वरूप भी ले सकती हैं। और फिर, ब्याज दरों में लगातार की जा रही कमी के चलते इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत भी कम होगी जिससे इन कम्पनियों के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। हां, भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने स्टैन्स को अकोमोडेटिव से न्यूट्रल जरूर कर दिया है जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में आगे आने वाले समय में आवश्यकता पड़ने पर बढ़ौतरी कर सकता है। जबकि अकोमोडेटिव स्टैन्स में रेपो दर में केवल कमी करने की सम्भावना निहित रहती है।

परंतु, आगे आने वाले समय में यदि मंहगाई की दर पर नियंत्रण बना रहता है जिसकी सम्भावना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी की गई है और औसत मंहगाई दर के अनुमान को 4 प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत कर दिया गया है। अतः बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक को न्यूट्रल स्टैन्स के बावजूद रेपो दर में कमी ही करनी पड़ सकती है। कुल मिलाकर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मंहगाई की दर में आई कमी एवं विकास दर में आई सुस्ती को देखते हुए रेपो दर एवं नकद आरक्षित अनुपात में आक्रात्मक रूप से की गई कटौती को एक सक्रिय निर्णय कहा जा सकता है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी, उद्योग जगत अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के उद्देश्य से अपने पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर विचार करेगा। चूंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर अब नियंत्रण में है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में विकास दर को बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। हालांकि अपने स्टैन्स को न्यूट्रल रखकर मुद्रा स्फीति एवं वैश्विक स्तर पर विभिन्न जोखिमों पर भी नजर बनाए रखने का आभास दिया है। इसीलिए विभिन्न अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा इस मुद्रा नीति को एक क्रांतिकारी कदम बताया जा रहा है।

विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं डायन जैसी कुप्रथाएं

खासकर वे जो विधवा हैं, अकेली हैं या मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से जूझ रही हैं। समाज के बीमार हिस्से ने इन्हें हर अनहोनी का कारण मान लिया है। अगर किसी घर में कोई बीमार पड़ जाए, फसल खराब हो जाए या गांव में कोई अनजानी विपत्ति आ जाए, तो इन बेबस महिलाओं को ही दोषी ठहराया जाता है। अंधकार के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। असम की बीरूबाला राभा ने इसी प्रथा के खिलाफ अकेले मोर्चा खोला था। उन्होंने अपना पूरा जीवन डायन प्रथा के खिलाफ संघर्ष में झोंक दिया. उनकी मेहनत रंग लाई और असम में इसके खिलाफ कानून बना। असम सरकार का दावा है कि इस कानून के प्रावधान दूसरे राज्यों के ऐसे कानूनों के मुकाबले कठोर हैं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि महज कानून बना कर सदियों पुरानी इस कुप्रथा को खत्म करना संभव नहीं है। इसके लिए बड़े पैमाने पर सामाजिक जागरूकता जरूरी है।

योगेन्द्र योगी

बिहार में मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को डायन होने के आरोप में गांव वालों ने घसीटा, पीटा और मैला पिलाने की कोशिश की। यह घटना अंधविश्वास और डायन प्रथा की वजह से हुई, जो बच्चों की बीमारी का दोष महिला पर मढने के लिए की गई। देश के राज्यों में ऐसी घटनाएं निजी दुश्मनी या संपत्ति हड़पने के लिए आम हैं। मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बना है किन्तु ऐसे कानूनों का भी वही हाल है, जैसा निर्भया बलात्कार कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का हुआ है। निर्भया मामले के बाद फांसी तक प्रावधान किया गया, इसके बावजूद देश में ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। इससे जाहिर है कि सिर्फ कानून के बूते महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों को नहीं रोका जा सकता। मुजफ्फरपुर की यह वारदात डायन प्रथा की कोई इकलौती घटना नहीं है। झारखंड, बिहार, असम, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आज भी डायन के नाम पर महिलाओं को प्रताडिघ्त किया जाता है। परिवार की सम्पत्ति हड़पने की साजिश में, कभी निजी दुश्मनी में, तो कभी महज बीमारी और अनहोनी के लिए एक बलि का बकरा खोजने के बहाने के रूप में महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। क्रूरता के कलंक की यह कथा भारत में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और ओडिशा सहित कई राज्यों में कानूनी प्रावधानों को ठेंगा दिखाते हुए बेखौफ जारी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़े इस अमानवीय सच्चाई की केवल एक झलक दिखाते हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में डायन प्रथा के नाम पर देशभर में 85 हत्याएं दर्ज हुईं। लेकिन जो दर्द पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाता, उसकी संख्या कहीं अधिक है। कई पीडिघ्त महिलाएं तो कभी पुलिस स्टेशन तक पहुंच ही नहीं पातीं। डर, समाज का दबाव और अक्सर पुलिस की अनदेखी, इस काली गिनती को अधूरा छोड़ देती है। एनसीआरबी के 2014 में आंकड़े के मुताबिक झारखंड में 2012 से 2014 के बीच 127 महिलाओं की हत्या डायन बताकर कर दी गई। राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में तत्कालीन गृह राज्यमंत्री एचपी चौधरी ने ये आंकड़े बताए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों में कमी आई है, लेकिन इसे पूरी तरह से खत्म होने में शायद अभी भी दशकों लग जाएं। यह समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (2021) की रिपोर्ट बताती है कि 2009 से 2019 के बीच विश्व के 60 देशों में करीब 20,000 ऐसी घटनाएं सामने आईं, जहां लोगों को डायन बताकर प्रताडिघ्त किया गया। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ओडिशा के 30 जिलों में से 12 जिलों, विशेषकर मयूरभंज, क्योंझर, सुंदरगढ़, मलकानगिरी, गजपति और गंजम– में डायन–शिकार अभी भी अत्यधिक प्रचलित है। इस तरह की अंधविश्वासी प्रथाओं के ज़्यादातर शिकार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या फसल खराब होने के कारण होते थे। अध्ययन के अनुसार, लगभग 27 प्रतिशत मामले बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण, 43.5 प्रतिशत वयस्क परिवार के सदस्य की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण, 24.5 प्रतिशत दुर्भाग्य या जमीन हड़पने के कारण और 5 प्रतिशत फसल खराब होने के कारण होते हैं। इस खौफनाक कुप्रथा की सबसे बड़ी शिकार महिलाएं बनती हैं। खासकर वे जो विधवा हैं, अकेली हैं या मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से जूझ रही हैं। समाज के बीमार हिस्से ने इन्हें हर अनहोनी का कारण मान लिया है। अगर किसी घर में कोई बीमार पड़ जाए, फसल खराब हो जाए या गांव में कोई अनजानी विपत्ति आ जाए, तो इन बेबस महिलाओं को ही दोषी ठहराया जाता है। अंधकार के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। असम की बीरूबाला राभा ने इसी प्रथा के खिलाफ अकेले मोर्चा खोला था। उन्होंने अपना पूरा जीवन डायन प्रथा के खिलाफ संघर्ष में झोंक दिया. उनकी मेहनत रंग लाई और असम में इसके खिलाफ कानून बना। असम सरकार का दावा है कि इस कानून के प्रावधान दूसरे राज्यों के ऐसे कानूनों के मुकाबले कठोर हैं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि महज कानून बना कर सदियों पुरानी इस कुप्रथा को खत्म करना संभव नहीं है। इसके लिए बड़े पैमाने पर सामाजिक जागरूकता जरूरी है। दिल्ली स्थित संगठन पार्टनर्सस फार ला इन डेवलपमेंट नामक एक संगठन ने अपने शोध में कहा कि डायन प्रथा की जड़ें पितृसत्तात्मक मानसिकता, आर्थिक झगड़ों, अंधविश्वास और दूसरी निजी और सामाजिक संघर्ष में छिपी हैं। ज्यादातर मामले पुलिस के पास ही नहीं पहुंचते। ऐसे में सरकारी आंकड़े इस भयावह समस्या की सही तस्वीर नहीं दिखाते। देश में डायन प्रथा कब से शुरू हुई, इसका कोई प्रामाणिक इतिहास तो नहीं मिलता लेकिन यह सदियों पुरानी है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में डाकन या डायन प्रथा कोई छह–सात सौ साल पहले से चलन में थी। इसके तहत अपनी जादुई ताकतों के कथित इस्तेमाल से शिशुओं को मारने के आरोप में महिलाओं की पीट–पीट कर हत्या कर दी जाती थी। उस दौर में वहां हजारों औरतें इस कुप्रथा का शिकार हुई थीं। राजपूत रियासतों ने 16वीं सदी में कानून बना कर इस प्रथा पर रोक लगा दी थी। वर्ष 1553 में उदयपुर में पहली बार इसे गैर–कानूनी घोषित कर दिया गया था। बावजूद इसके यह बेरोक–टोक जारी रही। यह प्रथा असम के मोरीगांव जिले में फली–फूली। इस जिले को अब काले जादू की भारतीय राजधानी कहा जाता है। दूर–दराज से लोग काला जादू सीखने यहां आते हैं। नेशनल क्राइम रिकाड्र्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2000 से 2016 के बीच देश के विभिन्न राज्यों में डायन करार देकर 2,500 से ज्यादा लोगों को मार दिया गया। उनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। इस मामले में झारखंड का नाम सबसे ऊपर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में वर्ष 2001 से 2014 के बीच डायन होने के आरोप में 464 महिलाओं की हत्या कर दी गई। उनमें से ज्यादातर आदिवासी तबके की थीं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का दावा है कि एनसीआरबी के आंकड़े तस्वीर का असली रूप सामने नहीं लाते। डायन के नाम पर होने वाली हत्याओं की तादाद इससे कई गुनी ज्यादा है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में डायन के खिलाफ लोगों की एकजुटता की वजह से ज्यादातर मामले पुलिस तक नहीं पहुंच पाते। डायन प्रथा हो या निर्भयाकांड, सरकारें कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी को पूरा मान लेती हैं, जमीनी धरातल पर हकीकत में तस्वीर बदले या न बदले। आई.टी सैक्टर, चिकित्सा, विज्ञान एवं तकनीक, प्रबंधन क्षेत्र, रॉकेट साइंस सहित विभिन्न क्षेत्रों ने भारत ने विश्व में अपना लोहा मनवाया है। विश्व की प्रमुख कंपनियों में से ज्यादातर के सीईओ भारतीय हैं। इसके बावजूद भारत में डायन जैसी कुप्रथा के मौजूद होने को यही माना जा सकता है कि असंतुलित विकास ऐसे कुरीतियों के लिए जिम्मेदार है। देश के विभिन्न राज्यों में डायन प्रथा के खिलाफ कानून होने के बावजूद अब तक इस सामाजिक कुरीति पर अंकुश नहीं लग सका है। गरीबी और विकास की बुनियादी सुविधाओं से वंचित इलाकों में ऐसे घटनाओं से जाहिर है कि असमानता चाहे जिस भी स्तर पर हो, जब तक उसका खात्मा नहीं होगा तब तक विकास की तमाम सफलाताओं के बावजूद महिलाएं अत्याचार की चक्की में पिसती रहेंगी। खासकर वे जो विधवा हैं, अकेली हैं या मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से जूझ रही हैं। समाज के बीमार हिस्से ने इन्हें हर अनहोनी का कारण मान लिया है। अगर किसी घर में कोई बीमार पड़ जाए, फसल खराब हो जाए या गांव में कोई अनजानी विपत्ति आ जाए, तो इन बेबस महिलाओं को ही दोषी ठहराया जाता है। अंधकार के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। असम की बीरूबाला राभा ने इसी प्रथा के खिलाफ अकेले मोर्चा खोला था। उन्होंने अपना पूरा जीवन डायन प्रथा के खिलाफ संघर्ष में झोंक दिया।

मैन्युफैक्चरिंग की मजबूती कई बातों पर निर्भर करती है

जहां एक तरफ इस पर चर्चाएं चल रही हैं कि क्या अमेरिका अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए डॉलर का अवमूल्यन करने के लिए तैयार है या नहीं, यह नोट किया जाना चाहिए कि डॉलर दुनिया की सबसे मजबूत मुद्रा नहीं है और दशकों से ऐसा नहीं रहा है। यह खिताब स्विस फ्रैंक के नाम है। स्विस फ्रैंक पिछले 50 वर्षों, 25 वर्षों, 10 वर्षों और 5 वर्षों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाली मुद्रा रही है। वह पिछले साल भी शीर्ष के करीब रही थी, जब कुछ अन्य संकटग्रस्त मुद्राओं ने भी डॉलर के मुकाबले बेहतर वापसी की थी। लेकिन जहां तक टिकाऊपन का सवाल है तो कोई भी स्विट्जरलैंड के फ्रैंक का मुकाबला नहीं कर सकता। फिर भी स्विट्जरलैंड इस धारणा को खारिज करता है कि एक मजबूत मुद्रा किसी देश के निर्यात को गैर–प्रतिस्पर्धी बनाकर उसके व्यापारिक कौशल को कमजोर कर देती है। उलटे उसके निर्यात में वृद्धि हुई है। उसकी जीडीपी (75:) और वैश्विक निर्यात (लगभग 2:) में उसका योगदान ऐतिहासिक उच्च स्तर के करीब है। वास्तव में, मुद्राओं के मूल्यांकन को लेकर वैश्विक चर्चाएं अनावश्यक रूप से उन्मादग्रस्त हो गई हैं, जबकि यह किसी देश की प्रतिस्पर्धी स्थिति को आकार देने वाले कई फैक्टर्स में से एक भर ही है। जर्मनी और जापान के स्वर्णयुग वाले दिनों की तरह स्विट्जरलैंड ने भी ऐसी उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं और सेवाओं के लिए प्रतिष्ठा हासिल की है कि दुनिया मेड इन स्विट्जरलैंड का लेबल देखते ही करंसी प्रीमियम का भुगतान करने को तैयार हो जाती है। हालांकि स्विस बैंक अवैध सम्पत्तियों के एक आश्रय के रूप में बदनाम हैं, लेकिन स्विट्जरलैंड की अर्थव्यवस्था ने लंबे समय से असाधारण गतिशीलता और प्रतिस्पर्धी रेंज दिखाई है। एक दशक से भी अधिक समय से स्विट्जरलैंड ने संयुक्त राष्ट्र की सबसे इनोवेटिव अर्थव्यवस्थाओं की रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए रखा है। वह इनोवेशन में बड़े पैमाने पर संसाधन लगाता है– उदाहरण के लिए व्यावहारिक विश्वविद्यालयीन शिक्षा और आर–एंड–डी के माध्यम से। वह प्रति कार्य–घंटे पर 100 डॉलर से अधिक जीडीपी उत्पन्न करता है– जो दुनिया की शीर्ष–20 में किसी भी अन्य अर्थव्यवस्था की तुलना में अधिक है। उसकी विकेंद्रीकृत राजनीतिक और आर्थिक प्रणाली छोटे उद्यमों को प्रोत्साहित करती है, जिनका स्विस कंपनियों में 99: से अधिक योगदान है। फार्मास्यूटिकल्स से लेकर लग्जरी सामानों तक में प्रतिस्पर्धी व्यवसायों में भी उसकी बड़ी हिस्सेदारी है। हार्वर्ड की ग्रोथ लैब ने निर्यात की जटिलता के लिए स्विट्जरलैंड को शीर्ष 20 अर्थव्यवस्थाओं में पहला स्थान दिया है। यह निर्यात की जाने वाली वस्तुओं को उत्पादित करने के लिए आवश्यक उन्नत कौशल का एक माप है। उसके निर्यात में चॉकलेट और घड़ियों से लेकर दवाइयां और रसायन तक सब शामिल हैं। यह इस धारणा को झुठलाता है कि मजबूत मुद्राएं कारखानों पर ताले लगा देती हैं। वास्तव में, जीडीपी के 18: के साथ स्विट्जरलैंड का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बड़ा है। उसके आधे से अधिक निर्यात हाई–टेक हैं– जो अमेरिका, जर्मनी या जापान के स्तर से दोगुने से अधिक हैं। चूंकि उन्नत वस्तुएं अधिक महंगी हैं, इसलिए उसने 1980 के दशक की शुरुआत से ही हर साल उसके चालू खाते को सरप्लस में रखने में मदद की है, और यह तब से ही जीडीपी के औसतन 4: से अधिक रहा है। स्विट्जरलैंड ने चुपचाप ही एक सदाबहार–अर्थव्यवस्था बना ली है। चाहे डॉलर बढ़ रहा हो या गिर रहा हो, और चाहे वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी में हो या सुधार में, स्विस फ्रैंक लगातार बढ़ता रहा है। कई नीति–निर्माता पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बारे में सोचते हैं कि उन्होंने समृद्धि पाने के लिए अपनी मुद्रा के अवमूल्यन का रास्ता अपनाया है। ये सच है कि कम मूल्यांकित विनिमय दरों ने दक्षिण कोरिया से लेकर चीन तक की निर्यात–मैन्युफैक्चरिंग पॉवरहाउस के रूप में तेजी से बढ़ने में मदद की है। लेकिन बुनियादी ढांचे में निवेश और विदेशी पूंजी के लिए खुलेपन सहित दूसरे फैक्टर्स की भी इसमें भूमिका है। पिछले दशक में, निर्यात जटिलता के लिए भारत की हार्वर्ड ग्रोथ लैब रैंकिंग दुनिया में लगभग 15 स्थान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर पहुंच गई, लेकिन वैश्विक माल–निर्यात में उसका हिस्सा 1.8: के आसपास स्थिर रहा है। प्रतिभाओं के पलायन और इनोवेशन में अपर्याप्त निवेश भी अहम फैक्टर्स हैं।

रुला रही बिजली, करना पड़ रहा रतजगा

बाराबंकी (संवाददाता)। भीषण गर्मी में बिजली की मांग बढ़ने से बिजली की खपत 270 एमबीए से बढ़कर 337 एमबीए पहुंच गई है। लोड बढ़ने के कारण शहर से लेकर गांव तक में लोगों को लाइन फाल्ट, अघोषित कटौती व लो वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ रहा है। ऐसे में उमस भरी गर्मी में लोगों को रात जाग कर बिताना पड़ रही है।लोड बढ़ने के कारण कहीं एबीसी तो कहीं ट्रांसफार्मर लीड दगा दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र का रोस्टर भी गड़बड़ा गया है। शहर में बुधवार सुबह नाका चौराहा के पास रखे ट्रांसफार्मर की लीड जल गई। उपकेंद्र कर्मियों ने इसे बदल तो दिया लेकिन अधिक लोड के चलते बुधवार सुबह लीड फिर जल गई। इससे सुभाष नगर, लक्ष्मणपुरी कॉलोनी, वेदपुरम मोहल्ले की बिजली चार घंटे गुल रही। ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम बद्दूपुर, शाहपुर, सतना, भगोली, शैली कीरतपुर, सलेमपुर आदि करीब 40 गांव में मात्र आठ से 10 घंटे ही बिजली मिल पा रही है।चार दिन से बिना बिजली रह रहे उपभोक्ता जैदपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत अब्दुल्लापुर के गांव लासोरवा में 16 केवी का ट्रांसफार्मर चार दिन पूर्व अचानक फुंक गया था। शिकायत के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। भीषण गर्मी में ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत की है। एसडीओ संदीप सिंह का कहना है कि 16 केवी का ट्रांसफार्मर स्टोर रूम में नहीं था। नया ट्रांसफार्मर मंगाया गया है। बिन बिजली कटी रात निंदूरा क्षेत्र के दो फीडर बाबागंज रीवा सीवा बिजली उपकेंद्र से बिजली आपूर्ति 10 घंटा बंद रही इससे मिर्जापुर, पक्रियापुर, मोहनपुर, दौलतपुर, खरिहानी समेत करीब 150 गांवों की एक लाख आबादी को रात बिन बिजली गुजारनी पड़ी। जेई विकास शुक्ला ने बताया कि चकिया गांव में तार टूटने से परेशानी हुई थी। कस्बा हैदरगढ़ में केबल जलने से कोठी वार्ड की बिजली 17 घंटा बाधित रही।

> शिकायत के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। भीषण गर्मी में ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत की है।

वहीं हैदरगढ़ ग्रामीण उपकेंद्र के मंझार फीडर से जुड़े सौ से अधिक गांव लो वोल्टेज और अघोषित कटौती से परेशान है। शहर में बुधवार सुबह नाका चौराहा के पास रखे ट्रांसफार्मर की लीड जल गई। उन्हें विभिन्न तरह के मसालों को कूटना व पीसना सिखा कर उनकी पैकिंग कराना सिखाया गया।

सब्जी मसाला के कारोबार ने बनाया स्वावलंबी

बाराबंकी (संवाददात)। मौलाबाद के समूह की महिलाओं को सब्जी मसाला के कारोबार ने स्वावलंबी बना दिया हैं। पारिजात लघु उद्योग के नाम से संचालित इनके मसाला कारखाने में करीब 40 महिलाएं काम करती हैं। समूह की महिलाएं हल्दी, मिर्चा, धनिया व गरम मसाला तैयार कर इसकी सप्लाई परिषदीय विद्यालयों के साथ ही आस पास के घरों में भी कर अच्छा मुनाफा कमा लेती हैं। गुणवत्ता के कारण उनका मसाला कारोबार बढ़ता जा रहा है।मौलाबाद की शीलू वर्मा ने दो साल पहले राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़कर नव दुर्गा स्वयं सहायता समूह बनाया था। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से जोड़ा गया। उन्हें विभिन्न तरह के मसालों को कूटना व पीसना सिखा कर उनकी पैकिंग कराना सिखाया गया।

प्रयागराज की महिला और पुरुष टीमों ने हासिल की जीत

बाराबंकी (संवाददात)। दसवीं वाहिनी पीएसी में चल रही 73 वीं उत्तर प्रदेश पुलिस महिला एवं पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के तीसरे दिन कुल पांच मुकाबले खेले गए।

जिसमें महिलाओं के दो सेमीफाइनल और पुरुषों के तीन क्वार्टरफाइनल मैच शामिल रहे। प्रयागराज की महिला व पुरुष दोनों की टीमों ने शानदार खेल दिखा कर जीत हासिल की। महिला वर्ग के पहले सेमीफाइनल में वाराणसी महिला जोन की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए गोरखपुर महिला जोन की टीम को 4–0 से हराया। वाराणसी की खुशबू ने दो शानदार गोल दागे। दूसरे सेमीफाइनल में प्रयागराज महिला जोन ने बरेली महिला जोन को पांच–जीरो से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। प्रयागराज की कप्तान स्वाति निगम ने चार गोल कर शानदार प्रदर्शन किया।पुरुष वर्ग में पहला क्वार्टरफाइनल प्रयागराज जोन और पीएसी मध्य जोन के बीच हुआ, जिसमें प्रयागराज ने दो–जीरो से जीत दर्ज की। कमल नारायण सिंह ने एक गोल किया। दूसरा मुकाबला लखनऊ जोन और वाराणसी जोन के बीच खेला गया, जिसमें लखनऊ ने कप्तान प्रमोद कुमार के चार गोलों की मदद से 6–4 से मुकाबला जीता।

अफीम के तस्कर को १० साल की सजा

बाराबंकी (संवाददात)। अपर सत्र न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट राजीव कुमार द्वितीय की कोर्ट ने मादक पदार्थ की तस्करी करने के मामले में अभियुक्त जयप्रकाश पाठक को दोषी करार माना। कोर्ट ने दोषी को दस साल के सश्रम कारावास के साथ 1.10 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड जमा न करने पर अभियुक्त को एक वर्ष का अतिरिक्त कठोर कारावास का दंड भुगतना होगा। पुलिस ने सिद्धौर से सनौली आने वाली रोड पर जयप्रकाश पाठक उर्फ किन्नी निवासी कोटवा सड़क को पकड़ा था। उसके कब्जे से 280 ग्राम मार्फीन व 112 ग्राम अफीम बरामद हुई थी। साक्ष्य व गवाही के आधार पर कोर्ट ने अभियुक्त को दोषी मान सजा सुनाई। अर्थदंड जमा न करने पर अभियुक्त को एक वर्ष का अतिरिक्त कठोर कारावास का दंड भुगतना होगा।

समय से नहीं चल रहीं अनुबंधित बसें

बाराबंकी (संवाददात)। देवा रोड स्थित बस स्टेशन पर अनुबंधित बसों का संचालन पूरी तरह बेपटरी हो गया है। इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन पर दर्ज समय के अनुसार बसें न तो आती हैं न ही रवाना होती हैं। डिस्प्ले बोर्ड की स्क्रीन भी बसों के आवागमन व रवाना होने का गलत समय दर्शाती है। जबकि पूछताछ काउंटर पर अधिकतर समय कर्मचारी न होने से सन्नाटा रहता है। इससे स्कूल कॉलेज के साथ कार्यालय जाने वाले दैनिक यात्रियों को भीषण गर्मी में घंटों परेशानी उठाना पड़ती है। अधिकांश रूट पर बसों की पर्याप्त संख्या न होने से बस मिलने पर भी अत्यधिक भीड़ के कारण खड़े होकर ही यात्रा करने को विवश होना पड़ता है। दैनिक यात्रियों का कहना है कि परिवहन विभाग ने अनुबंधित बसों की समयसारिणी तो तय कर दी लेकिन इसका पालन सुनिश्चित कराने के लिए कोई निगरानी व्यवस्था नहीं की है।

20 गांवों में पांच दिन से बिजली नहीं

सीतापुर (संवाददाता)। भीषण गर्मी में पांच दिन से बिजली न मिलने से परेशान ग्रामीण उपभोक्ताओं के सब्र का बांध मंगलवार रात टूट गया। देर रात भवानीपुर उपकेंद्र पहुंचे उपभोक्ताओं ने बिजली अधिकारियों व जेई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों का गुस्सा जेई पर फूट गया।

बीच–बचाव करते हुए पुलिस कर्मियों ने मामले को शांत कराया। ग्रामीणों ने जेई व एसडीओ पर गंभीर आरोप लगाए हैं।भवानीपुर उपकेंद्र पहुंचे आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि चमखर और नेरीकलां फीडर के करीब 20 से अधिक गांवों में पांच दिन से बिजली नहीं है। नेरी कलां के प्रधान गोविंद ने बताया कि बिजली न आने से भीषण गर्मी में परेशानी हो रही है। फोन करने पर अधिक्षण अभियंता व एसडीओ सीधे मुंह बात नहीं करते हैं।दुर्गेश और अमित ने बताया कि एसडीओ हिमांशु पटेल को फोन पर कई दिनों से बिजली न आने की शिकायत कर रहे थे। वह हमेशा जेई को फोन करने की बात कहकर फोन काट देते थे। इसलिए उपकेंद्र तक आना पड़ा।भवानीपुर उपकेंद्र पर प्रदर्शन के दौरान उपभोक्ता उच्चाधिकारियों के आने की राह देखते रहे लेकिन कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। प्रदर्शन के दौरान आदर्श, दुर्गेश, अमित, सुरेश, अनुराग मिश्रा, गोलू, राज किशोर, संदीप, अमरेंद्र वर्मा, अमित कुमार शर्मा व शत्रोहन लाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। देर रात भवानीपुर उपकेंद्र पहुंचे उपभोक्ताओं ने बिजली अधिकारियों व जेई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

सीतापुर (संवाददाता)। क्षेत्र में हाईवे पर मंगलवार रात एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।कोतवाली क्षेत्र के अकोईया निवासी सलमा (30) पति इस्लामुद्दीन (35) के साथ बाइक से अपने मायके कमलापुर के थानापट्टी जा रही थीं। हाईवे पर स्थित मिडवे ढाबे के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में सलमा जमीन पर गिरकर ट्रक के पहिये के नीचे आ गईं।पुलिस ने पति–पत्नी को जिला अस्पताल भेजा जहां चिकित्सकों ने सलमा को मृत घोषित कर दिया। इस्लामुद्दीन का इलाज चल रहा है। बुधवार को सलमा का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा। पति इस्लामुद्दीन ने अस्पताल से छुट्टी लेकर अंतिम संस्कार किया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के दल ने समझीं किसानों की समस्याएं

सीतापुर (संवाददाता)। विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन गांवों में किया जा रहा है। इसी के तहत अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी का तीन सदस्य दल आकांक्षात्मक ब्लॉक बिसवां के भ्रमण पर है। बुधवार को टीम दो गांवों में लगे शिविर में शामिल हुई। टीम ने किसानों की समस्याओं को जाना। साथ ही सरकार से समन्वय कर उनके लिए एक ठोस नीति बनाने पर मंथन भी किया।

टीम के सदस्य निकोल बरी, अमिल किलोस्कर और साईं थरुनी बिसवां ब्लॉक के कल्यानपुर और गुडेरा गांव पहुंचे। टीम ने किसानों से संवाद किया। टीम के सदस्यों के अनुसार सीतापुर जिले में कृषि विविधता के अधिक अवसर हैं। यहां किसानों के लिए कार्य करने के अवसर भी अधिक हैं। बताया कि बिसवां जनपद सीतापुर का आकांक्षात्मक विकास खंड है। इस वजह से यहां आना हुआ। टीम ने किसानों को आधुनिक खेती के बारे में जानकारी रखने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग को समझाया। किसानों को वैश्विक खेती की भी जानकारी दी। आधुनिक खेती की तकनीकों के बारे में भी बताया।किसानों के लिए बनेगी ठोस नीति टीम के सदस्यों के अनुसार रिलायंस फाउंडेशन से कोलंबिया यूनिवर्सिटी का करार हुआ है। टीम फाउंडेशन से संयोजन कर कार्य कर रही है। उनका उद्देश्य किसानों की समस्याओं से परिचित होकर सरकार से समन्वय कर उनके लिए एक ठोस नीति बनाना है। इसके लिए किसानों को व्हाट्सएप और एआई चौटबोर्ड के बारे में बताया। बताया कि इसका खेती–बाड़ी के लिए कैसे प्रयोग किया जा सकता है। केवीके कटिया के वैज्ञानिक डॉ. सचिन कुमार तोमर ने नवोन्मेषी कृषि, जैविक, प्राकृतिक और श्री अन्न के बारे में विस्तृत चर्चा की।तकनीकी अफसरों को दिया प्रशिक्षण दल ने कृषि विभाग के तकनीकी अफसरों को विभिन्न एप चलाने की ट्रेनिंग दी। टीए दिलीप कुमार, अमरेश कुमार, कृष्ण कुमार और एडीओ कृषि रविन्द्र कुमार को एप की ट्रेनिंग दी गई। समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान दिलाना है उद्देश्य टीम अभी जिले में भ्रमणशील रहेगी। इनका मुख्य उद्देश्य किसानों से उनकी समस्याओं का फीडबैक प्राप्त करना है। इसके साथ ही समस्याओं का सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाधान करने पर जोर है। किसानों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान दिलाना ही मुख्य उद्देश्य है। इस फीड बैक के आधार पर राज्य सरकार और किसानों से समन्यव कर एक ठोस नीति बनेगी। सीतापुर को मॉडल के रूप में तैयार करना है। टीम ने किसानों से संवाद किया। टीम के सदस्यों के अनुसार सीतापुर जिले में कृषि विविधता के अधिक अवसर हैं। यहां किसानों के लिए कार्य करने के अवसर भी अधिक हैं।

> **टीम फाउंडेशन से संयोजन कर कार्य कर रही है। उनका उद्देश्य किसानों की समस्याओं से परिचित होकर सरकार से समन्वय कर उनके लिए एक ठोस नीति बनाना है।**

तेंदुआ की आशंका से ग्रामीणों में दहशत

गोपामऊ(संवाददाता)। कचनारी गांव में बछड़े पर मंगलवार रात जंगली जानवर ने हमला कर दिया। तेंदुआ की आशंका से ग्रामीणों में दहशत है। वन विभाग की टीम ने पग चिह्नों की जांच की। पग चिह्न के आधार पर तेंदुआ होने से इन्कार किया। बताया कि किसी छोटे जानवर के पग चिह्न हैं। वन रेंज पिहानी के कचनारी गांव में बछड़े पर जंगली जानवर के हमले से रामबक्श जाग गए। बताया कि कोई जंगली जानवर बछड़े को दबोचे था। डंडा लेकर दौड़ाने पर जानवर झाड़ियों में भाग गया। बताया कि जानवर तेंदुआ जैसा दिखाई दिया। प्रधान सोनपाल की सूचना पर पिहानी रेंज के कर्मचारियों ने मौके का जायजा लिया। डिप्टी रेंजर नरेंद्र वर्मा ने बताया कि पग चिह्न किसी छोटे जानवर के हैं। वन दरोगा आशीष पाल, जयराम, जय करन ने पग चिह्नों की तलाश की। टीम ने ग्रामीणों को सतर्क और बच्चों व मवेशियों को अकेले न छोड़ने की सलाह दी। पग चिह्न के आधार पर तेंदुआ होने से इन्कार किया।

स्टेशन पर तीन में से टिकट वितरण के दो काउंटर रहे बंद, परेशान रहे यात्री

हरदोई (संवाददाता)। रेलवे स्टेशन पर टिकट वितरण की व्यवस्था धड़ाम होती जा रही है। मंगलवार रात सामान्य श्रेणी के टिकट वितरण के लिए बने तीन काउंटर में से एक का ही संचालन हुआ। इस कारण यहां लंबी लाइन लगी रही। कई यात्रियों की ट्रेन भी टिकट न मिल पाने के कारण छूट गई। 24 घंटे में औसतन साढ़े छह हजार लोग अनारक्षित श्रेणी का टिकट लेते हैं।अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन परिसर में निर्माण कार्य चल रहा है। टिकट वितरण के लिए पर्याप्त काउंटर बने हुए हैं। यहां अनारक्षित श्रेणी के टिकटों का वितरण करने के लिए तीन काउंटर हैं। आमतौर पर तीनों काउंटर संचालित होते हैं, लेकिन मंगलवार रात सिर्फ एक ही काउंटर से टिकट वितरण हो रहा था। इसी काउंटर पर निशक्त, बुजुर्ग और महिलाओं को भी टिकट लेने थे। टिकट लेने के चक्कर में यात्रियों की आपस में भी कई बार झड़प हुई। सीएमआई अंबुज मिश्रा ने बताया कि इस बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। फिर भी पूरी जानकारी की जाएगी। तीनों काउंटर संचालित करना सुनिश्चित कराया जाएगा।ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन भी रात में हो जाती बंद रेलवे स्टेशन पर दो ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन भी लगी हुई हैं। इनका संचालन प्राइवेट वेंडर करते हैं। रात में प्राइवेट वेंडर के कर्मचारी चले जाते हैं।

खिलाड़ियों की नर्सरी बना बाबू स्टेडियम

बाराबंकी (संवाददात)। केडी सिंह बाबू स्टेडियम अब सिर्फ एक खेल का मैदान नहीं, बल्कि उभरते क्रिकेट सितारों की नर्सरी बन चुका है। इसी स्टेडियम से प्रशिक्षण लेकर आईपीएल तक का सफर तय करने वाले विप्रज निगम यहां के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। उनके शानदार प्रदर्शन ने यहां प्रशिक्षण ले रहे बच्चों में खेल के प्रति आत्मविश्वास और समर्पण की अनूठी भावना पैदा कर दी है। स्टेडियम में वर्तमान में 120 बालक–बालिकाएं क्रिकेट के गुर सीख रहे हैं, जिनकी उम्र आठ से 18 वर्ष के बीच है। सालाना मात्र 160 रुपये की फीस पर उन्हें विशेषज्ञों की निगरानी में क्रिकेट के खेल से जुड़ी बारीकियां सीखने को मिल मिल रही है।

गौराडांडा के नर्सिंग कॉलेज परिसर में बनेगी 100 बेड सीसीयू

हरदोई (संवाददाता)। क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) बनवाए जाने के लिए जिला चिकित्सालय में भूमि नहीं मिल पाई। शासन ने सीसीयू बनवाए जाने के लिए स्थल में बदलाव किया है। सीसीयू का काम गौराडांडा में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज परिसर में कराया जाएगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक ने स्थल में बदलाव का आदेश जारी कर दिया है, जबकि ट्रॉमा सेंटर निर्माण जिला चिकित्सालय परिसर में होगा।मेडिकल कॉलेज की स्थापना के साथ ही जिले में चिकित्सा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोतरी हो रही है। शासन ने सीसीयू और ट्रॉमा सेंटर के निर्माण को स्वीकृति दी। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन में जिले में 100 बेड की सीसीयू की स्थापना कराई जानी है। शासन ने सीसीयू भवन बनवाए जाने के लिए करीब 35 करोड़ रुपये की वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति दी है। स्वीकृति के समय सीसीयू भवन बनवाए जाने के लिए जिला चिकित्सालय परिसर को प्रस्तावित किया गया। जिला चिकित्सालय परिसर में भूमि नहीं मिल पाई। मामला मिशन निदेशक तक पहुंचा। मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने जिला चिकित्सालय परिसर के स्थान पर अब गौराडांडा में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज परिसर में बनवाए जाने की स्वीकृति दी है। काम सीएंडडीएस विभाग को सौंपा गया है। 50 बेड के ट्रॉमा सेंटर को जिला चिकित्सालय परिसर में ही बनवाया जाएगा। इसके लिए शासन ने करीब 27 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। भूमि की व्यवस्था होने से अब काम कराए जाने की प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है।मिशन निदेशक ने 100 बेड की सीसीयू का काम गौराडांडा में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज परिसर में कराए जाने की स्वीकृति दी है। स्थान में बदलाव हुआ है। काम को तेजी से कराते हुए समय से पूरा कराने का प्रयास है। ट्रॉमा सेंटर का काम जिला चिकित्सालय परिसर में होना है। इसके लिए प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है। शासन ने सीसीयू बनवाए जाने के लिए स्थल में बदलाव किया है। सीसीयू का काम गौराडांडा में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज परिसर में कराया जाएगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक ने स्थल में बदलाव का आदेश जारी कर दिया है, जबकि ट्रॉमा सेंटर निर्माण जिला चिकित्सालय परिसर में होगा।मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए जिला चिकित्सालय परिसर में बनवाए जाने की स्वीकृति दी है।

मंडल के मेधावियों को मिला सम्मान, खिल उठे चेहरे

गोरखपुर (संवाददाता)। शिक्षा विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के सभागार में यूपी बोर्ड 10वीं और 12वीं के मेधावियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने 20 मेधावी छात्र–छात्राओं को टैबलेट, मेडल, प्रशस्ति पत्र और 21 हजार रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में माध्यमिक विद्यालय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के 41 खिलाडियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे। इससे पहले लखनऊ में मेधावियों को सम्मान समारोह कार्यक्रम को बच्चों ने मुख्य अतिथि के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देखा। हाई स्कूल इंटर के मेधावियों को सम्मानित किया गया स जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप कुमार शर्मा, पीड़ी रामदरस समेत अन्य अधिकारियों ने मेधावियों को सम्मानित किया स जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि हाई स्कूल के 10 और इंटर के साथ छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया है तीन छात्राओं को राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में भेजा गया है स छात्र–छात्राओं के साथ उनके परिजन भी सम्मान समारोह में आए थेस सभी ने खुशी का इजहार कियास सम्मान समारोह के पहले लखनऊ में समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया सिद्धार्थनगर विकास भवन अंबेडकर सभागार हाई स्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बांसी विधायक जयप्रकाश, सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, जिला अधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर बच्चों का उत्साह बढ़ाया ।

सीमेंट भी नकली... बेलीपार में पकड़ी गई फैक्टरी

गोरखपुर (संवाददाता)। एसटीएफ ने गोदाम मालिक अभिषेक शुक्ला व दो मजदूरों के खिलाफ केस दर्ज कर हिरासत में ले लिया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। संबंधित कंपनियों के अफसरों को भी इस बरामदगी की सूचना दी गई है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि मड़वरिया कुआं चौकी के समीप एक गोदाम में नकली सीमेंट बनाने की फैक्टरी काफी दिनों से चल रही है।

बेलीपार थाने के मड़वरियां कुआं चौकी के समीप एक गोदाम में संचालित नकली सीमेंट बनाने की फैक्टरी पकड़ी गई है। लखनऊ एसटीएफ ने बुधवार की देर शाम फैक्टरी में छापा मारा।

गोदाम में मौजूद 400 बोरी सीमेंट, अल्ट्राटेक व डालमिया कंपनी की 350 खाली बोरियों के अलावा तौल मशीन, बोरी सिलने वाली मशीन के साथ कई अन्य सामग्री जब्त की गई है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। संबंधित कंपनियों के अफसरों को भी इस बरामदगी की सूचना दी गई है।

दोस्तों संग गए थे तरकुलहा देवी दर्शन करने, कार पलटी...नहर में गिरी- एक घायल

गोरखपुर (संवाददाता)। कुशीनगर के कप्तानगंज थाने के सोहनी गांव निवासी विद्या सागर शर्मा बुधवार की सुबह दोस्तों के साथ तरकुलहा देवी का दर्शन करने आए थे। वह पिपराइच–हाटा मार्ग से वापस घर लौट रहे थे। अभी वह हरखापुर चौराहे के समीप पहुंचे ही थे कि तेज गति की वजह से कार अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई।पिपराईच क्षेत्र के हरखापुर चौराहे के निकट बुधवार की शाम तेज गति में अनियंत्रित हो कर कार नहर में पलट गई।

नहर में पानी होने की वजह से कार सवार चारों युवकों को गंभीर चोट नहीं लगी। स्थानीय लोगों ने आपसी सहयोग से उन्हें बाहर निकाल लिया। लेकिन दुर्घटना में अनियंत्रित कार की चपेट में आने बाइक सवार एक युवक घायल हो गया। ग्रामीणों ने युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया।जानकारी अनुसार, कुशीनगर के कप्तानगंज थाने के सोहनी गांव निवासी विद्या सागर शर्मा बुधवार की सुबह दोस्तों के साथ तरकुलहा देवी का दर्शन करने आए थे। वह पिपराइच–हाटा मार्ग से वापस घर लौट रहे थे। अभी वह हरखापुर चौराहे के समीप पहुंचे ही थे कि तेज गति की वजह से कार अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई।दुर्घटना में अनियंत्रित कार ने एक बाइक सवार को चपेट में ले लिया। कार की टक्कर से लुहसी निवासी विजय यादव (24) को गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने उसे निजी अस्पताल भिजवा दिया और नहर में से चारों को बाहर निकलवाया। नहर में कार के चारों पहिए ऊपर हो गए थे। ग्रामीण कार निकालने के प्रयास में जुटे हुए थे।

अभी वह हरखापुर चौराहे के समीप पहुंचे ही थे कि तेज गति की वजह से कार अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई।पिपराईच क्षेत्र के हरखापुर चौराहे के निकट बुधवार की शाम तेज गति में अनियंत्रित हो कर कार नहर में पलट गई। नहर में पानी होने की वजह से कार सवार चारों युवकों को गंभीर चोट नहीं लगी। स्थानीय लोगों ने आपसी सहयोग से उन्हें बाहर निकाल लिया। लेकिन दुर्घटना में अनियंत्रित कार की चपेट में आने बाइक सवार एक युवक घायल हो गया।

ग्रामीणों ने युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया।जानकारी अनुसार, कुशीनगर के कप्तानगंज थाने के सोहनी गांव निवासी विद्या सागर शर्मा बुधवार की सुबह दोस्तों के साथ तरकुलहा देवी का दर्शन करने आए थे। वह पिपराइच–हाटा मार्ग से वापस घर लौट रहे थे। अभी वह हरखापुर चौराहे के समीप पहुंचे ही थे कि तेज गति की वजह से कार अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई।दुर्घटना में अनियंत्रित कार ने एक बाइक सवार को चपेट में ले लिया। कार की टक्कर से लुहसी निवासी विजय यादव (24) को गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने उसे निजी अस्पताल भिजवा दिया और नहर में से चारों को बाहर निकलवाया। नहर में कार के चारों पहिए ऊपर हो गए थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

सीतापुर (संवाददाता)। मोहल्ला थवई टोला निवासी शिवम (21) बुधवार को अपने साथी छोटू के साथ मोचकला स्थित पंप पर बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में गिर गई। हादसे में शिवम गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके साथी छोटू ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शिवम को सीएचसी बिसवां में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। रास्ते में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में गिर गई। हादसे में शिवम गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके साथी छोटू ने पुलिस को सूचना दी।

ज्योति कलश यात्रा के संदर्भ में गोष्ठी का हुआ आयोजन

वाराणसी राजेश सेठ

आज गायत्री शक्तिपीठ, नगवा, वाराणसी के प्रांगण में दिनांक 13 जून से 24 जून 2026 तक चलने वाले ज्योति कलश यात्रा के संदर्भ में गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए जिला युवा समन्वयक एवं ट्रस्टी श्री विद्याधर मिश्र ने बताया कि वर्ष 2026 में परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी की धर्म पत्नी माता भगवती देवी के जन्म के 100 वर्ष पूरे होने तथा मथुरा से युग ऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा प्रकाशित अखण्ड ज्योति पत्रिका के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गायत्री तीर्थ शान्तिकुन्ज हरिद्वार से अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डॉ प्रणव पांड्या एवं श्रद्धेया शैल बाला पांड्या के आशीर्वाद के साथ अखण्ड ज्योति को प्रचण्ड ज्योति बनाने एवं युग ऋषि के विचारों से जन जन को अवगत कराने के उद्देश्य से सम्पूर्ण भारत में ज्योति कलश यात्रा निकले हुए है। इसी कड़ी में जिला समन्वयक पंडित गंगाधर उपाध्याय ने बताया कि एक ज्योति कलश रथ वाराणसी में आया हुआ है जिसका शुभारम्भ दिनांक 13 जून 2026 को सुबह 06 बजे बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर से होगा। यह ज्योति कलश रथ दिनांक 24 जून 2026 तक वाराणसी के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जन जन को युग ऋषि के विचारों से अवगत करायेगा।

गोष्ठी में मुख्य रूप से श्री मानसिंह,रामजीत पाण्डेय, गंगाधर उपाध्याय, विद्याधर मिश्र, ओमेश्वर सेपट, कल्पनाथ गुप्ता, रमाकांत पाठक, गणेश वर्मा, अयोध्या प्रसाद, श्रीमती हीरावती सिंह, पूर्णिमा भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

योगी आदित्यनाथ से राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पदाधिकारियों ने सकरात्मक वार्ता की

' विभागीय फोरम सक्रिय करने तथा आयोग की रूकी भर्तियों पर भरोसा जताया

वाराणसी राजेश सेठ

वाराणसी 12 जून2025। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर हरिकिशोर तिवारी के नेतृत्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तार से , रिक्तियों की भर्ती के साथ साथ अनावश्यक न्यायिक विवादो एवं प्रदेश के अधिनस्थ चयन आयोग,शिक्षा आयोग अदि में चयन प्रक्रिया अत्यधिक धीमी होने आदि अन्य कई मुद्दों पर विचार–विमर्श किया। प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर हरि किशोर तिवारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में 2015 से अब तक काफी रिक्तियॉ कतिपय कारणों से देरी का शिकार हो रही है। वर्ष 2022 में कुल 7 परिक्षाये अधिनस्थ चयन द्वारा सम्पन्न कराई गई। इसी प्रकार 2023 में कुल चार और 2024 में मात्र 6 परीक्षाये सम्पन कराई गई। ऐसी स्थिति में प्रदेश में विभिन्न संवर्ग के 50–60 प्रतिशत पद रिक्त पड़े है। इनमें कई संवर्ग तो ऐसे है जिनके कारण जमीनी स्तर पर कार्यो का निस्तारण धीमी गति से हो पा रहा हैऔर कार्मिकों के न्यायालय से सम्बंधी विवादो को निपटाने के लिए सरकार द्वारा एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई थी जिसमें कर्मचारी प्रतिनिधि के रूप में इं. हरिकिशोर तिवारी को सदस्य तथा इस समिति में उच्च न्यायालय के स्थाई अधिवक्ता को सदस्य नामित किया गया था। लेकिन विभागीय विवाद फोरम नामक इस समिति की बैठके न होने के कारण अनचाहे प्रकरण न्यायालय में चल रहे हैं। इससे सरकार के साथ साथ कार्मिक का धन और समय दोनों बरबाद हो रहा है। जबकि कार्मिक के कई ऐसे प्रकरण जो न्यायालय में चल रहे है जिनकों आपसी समझौते या विभागीय विवाद समाधान फोरम पर निपटाया जा सकता है। बैठक में आउटसोर्सिंग, कैशलेस इलाज,पुरानी पेंशन व्यवस्था पर भी चर्चा की गई।

कार्मिकों के लिए अब तक किए जा रहे दस प्रतिशत के अंशदान को बढ़ाकर 14 प्रतिशत करने तथा साढ़े दस हजार करोड़ रूपये जो पिछली सरकार द्वारा कर्मचारियों के खाते में न डालकर अन्य मद में लगाए गए थे, परन्तु धन्यवाद व आभार प्रकट करते हुए बताया कि आपकी सरकार द्वारा उक्त धनराशि कर्मचारियों के खाते में डलवाने का काम किया है।तथा पेंशन में सरकार के अंश को 10:से बढ़ाकर 14: करने में महती भूमिका अदा की है और आठवां वेतन को उत्तर प्रदेश में भी तुरंत लागू करने दिया। श्री तिवारी ने इस दौरान यह भी कहा कि अब पेंशन में अन्तिम सुरक्षा और उस पर मंहगाई भत्ता के लिए प्रधानमंत्री जी के साथ बैठक में निर्णय तो दिया गया परन्तु अभी भी कुछ कामियॉ है। उन्हे ठीक कराने हेतु अनुरोध किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने परिषद पदाधिकारियों की बॉतों को सुनने के उपरान्त समस्याओं और जरूरतों का हल निकालने का आश्वासन दिया।

माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ हुई साकारात्मक बैठक पर हर्ष व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष शशिकान्त श्रीवास्तव, सुरेंद्रनाथ पांडेय श्याम राज यादव, सुधांशु सिंह, दिवाकर द्विवेदी, दिपेंद्र श्रीवास्तव, गीतांजलि राणा, गीता उपाध्याय, अंजली शास्त्री, अवधेश पाण्डेय , हरेंद्र यादव, रामनिवास सिंह, मनोज कुमार, वाचस्पति मिश्रा, संजय श्रीवास्तव, सुनील सिन्हा, अभिषेक, प्रवीण वर्मा ने बताया कि वार्ता बहुत सकारात्मक रही। मुख्यमंत्री जी की तरफ से जल्द कुछ अच्छे दिशा निर्देश जारी होने की उम्मीद है।

'ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एसोसिएशन वाराणसी १०वीं एवं १२वीं उत्तीर्ण छात्रों को करेगा

वाराणसी राजेश सेठ

जनपद वाराणसी में रहने वाले समाज के छात्र एवं छात्राओं को 2025के सीबीएसई, यूपी तथा अन्य बोर्ड से दसवीं एवं 12वीं में पास बच्चों को संगठन की तरफ से सम्मानित करने का आयोजन किया जा रहा है इससे शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों एवं परिवार के अंदर और जिज्ञासा तथा बड़े लक्ष्य की तैयारी में मनोबल में वृद्धि मिलने के उद्देश्य से प्रयास किया जा रहा है अतः आप सभी सम्मानित जनों से निवेदन किया जाता है कि आपके घर में पड़ोस में रिश्तेदारी में परिचय में जो भी सोनार समाज के बच्चे 2025 मे हाई स्कूल और इंटर में यूपी बोर्ड 65: और सीबीएसई आईसीएसई बोर्ड में 80: से ज्यादा नंबरों से उत्तीर्ण हुए हो उनके बारे में संस्था को डिटेल इकट्ठा करने में जानकारी देकर सहयोग करें। जिससे हमारे समाज जो की शिक्षा के मामले में काफी पिछड़ा रहा है उस कमी और कमजोरी को ताकत के रूप में परिवर्तित कर शिक्षा के जरिए समाज का व्यक्ति आधुनिक युग में समाज के हर क्षेत्र में विकास में एवं आविष्कार में कदम से कदम मिलाकर समाज तथा देश के विकास में अपना सहयोग देकर सम्मान बढ़ाएं। नीचे दिये गये नंबर पर बच्चों का डिटेल भेजे –

पृथ्वीपाल सिंह
प्रदेश अध्यक्ष

मा0 सदस्या ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भिनगा एवं आश्रम पद्धति विद्यालय, भयापुरवा का किया निरीक्षण

मा0 सदस्या ने मरीजों से बात कर जानी उनकी समस्याएं
यथोचित सफाई व्यवस्था ना पाये जाने पर जताया गहरा असंतोष
छात्राओं से मिलकर बेहतर पढ़ाई के दिये टिप्स
मानक के अनुरूप साफ–सफाई व अन्य सभी व्यवस्थाओं को रखा जाय चुस्त–दुरूस्त–मा0 सदस्या

श्रावस्ती, 12 जून, 2025। सू0वि0। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्या प्रियंका मौर्या ने संयुक्त जिला चिकित्सालय, भिनगा का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान मा0 सदस्या ने अस्पताल में भर्ती मरीजों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी लेते हुए इलाज के लिए आये मरीजों से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम भी जाना। इस दौरान मा0 सदस्या ने महिला वार्ड, लेबर रूम सहित अन्य वार्डों का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण में साफ सफाई बेहतर न पाए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की तथा साफ–सफाई हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधीक्षक को गर्भवती महिलाओं का खान–पान, दवा–इलाज, टीकाकरण आदि का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये।

तत्पश्चात् मा0 सदस्या ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित भिनगा स्थित आश्रम पद्धति विद्यालय, भयापुरवा का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में साफ सफाई बेहतर नहीं पाई गई, इसके अलावा शौचालय और पेयजल की व्यवस्था भी बेहतर स्थिति में नहीं पायी गई, जिस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित को निर्देशित किया कि विद्यालय में प्रत्येक दशा में साफ सफाई सुनिश्चित की जाए और पीने हेतु अनवरत स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाये। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से मिलकर उनकी शैक्षिक प्रगति के बारे में चर्चा करते हुए बेहतर पढ़ाई और लक्ष्य प्राप्ति हेतु समय के कुशल प्रबंधन के बारे में महत्वपूर्ण टिप्स भी दिये। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से ही सपने पूरे हो सकते हैं। इसलिए सभी छात्राएं मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने मुकाम को हासिल कर अपने प्रदेश एवं जनपद का नाम रौशन करें।

इस दौरान उन्होंने विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति, पठन–पाठन, भोजन की गुणवत्ता, किचन एवं छात्रावास आदि का बारीकी से निरीक्षण कर जानकारी भी ली। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी डा0 अमरनाथ यति को निर्देश दिया कि विद्यालय की निरन्तर मानिटरिंग की जाए और सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाएं छात्राओं को हर हाल में उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने विद्यालय की अध्यापिकाओं एवं अन्य कर्मचारियों को बिना अनुमति के विद्यालय ना छोड़ने के लिए निर्देशित भी किया।

उक्त अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0के0 सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा0 अमरनाथ यति, महिला थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

मा0 प्रभारी मंत्री ने केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर की प्रेसवार्ता

श्रावस्ती, 12 जून 2025। सू0वि0। केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आबकारी एवं मद्य निषेध विभागध्जनपद के प्रभारी मंत्री श्री नितिन अग्रवाल जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेसवार्ता की गई। इस दौरान मा0 प्रभारी मंत्री ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते 11 वर्षों में देश ने मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व विकास की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

मा0 प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार की नीति "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" को केंद्र में रखकर निरंतर जनसेवा कर रही है। आज भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है चाहे वह डिजिटल इंडिया हो, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत या आत्मनिर्भर भारत अभियान। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचा है। उन्होने जनपद श्रावस्ती की भी विशेष रूप से चर्चा की और बताया कि यहां सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में तेजी से कार्य हुआ है। जिससे जनपद श्रावस्ती को आकांक्षी जनपदों की श्रेणी से विकसित जनपदों की श्रेणी में लाया जा सके। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से जिले में कई विकासपरक योजनाएं सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं।

इस अवसर पर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, मा0 विधायक श्रावस्ती रामफेरन पाण्डेय, मा0 जिलाध्यक्ष डा0 मिश्रीलाल वर्मा, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया, मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, भाजपा के जिला पदाधिकारीगण एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

मा0 सदस्या, राज्य महिला आयोग ने संयुक्त जिला चिकित्सालय में नवजात बच्चियों को बेबी किट भेंट कर मनाया कन्या जन्मोत्सव

मा0 सदस्या ने संयुक्त जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण, मरीजों को सभी स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

श्रावस्ती, 12 जून, 2025। सू0वि0। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्या डॉ० प्रियंका मौर्या ने संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा में बेटी बचाओं बेटी बढ़ाओं योजनान्तर्गत नवजात बच्चियों की माताओं को बेबी किट भेंट कर एवं उनकी माताओं को केक व मिठाई खिलाकर कन्या जन्मोत्सव मनाया।

इस अवसर पर मा0 सदस्या ने कहा कि बेटी बचाओं बेटी बढ़ाओं योजना भारत सरकार की मुख्य योजनाओं में से एक है। जिसका मुख्य उद्देश्य गिरते लिंग अनुपात को रोकना, कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, लैंगिक समानता व महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित कराना है। बालिकाओं के अस्तित्व और संरक्षण को सुरक्षित कराना तथा बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना है, इसी क्रम में आज कन्या जन्मोत्सव मनाया गया है। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी और मा0 मुख्यमंत्री जी का उद्देश्य है कि हमारे देश की बेटियाँ पढ़ लिख कर आगे बढ़ें और अपने देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने नवजात शिशुओं की माताओं से कहा कि बेटियों के जन्म पर खुशी मनाएं। बेटियों की पढ़ाई आदि को सुचारु रूप से आगे बढ़ाएं। बेटियों की शिक्षा हेतु प्रदेश सरकार द्वारा छात्रवृत्ति के साथ–साथ कन्या सुमंगला योजना के तहत कई सुविधाएं प्रदान कर रही हैं।

इसके अतिरिक्त मा0 सदस्या जी ने सम्पूर्ण अस्पताल परिसर का निरीक्षण भी किया तथा मरीजों को सभी स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने जच्चा–बच्चा वार्ड, महिला वार्ड, लेबर रूम सहित अन्य वार्डों का गहनता से निरीक्षण किया तथा साफ–सफाई हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधीक्षक को निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल व उनके खान–पान, दवा–इलाज, टीकाकरण आदि का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाएं मुहैया करायी जाए। जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत न होने पाए।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0के0 सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 डी0के0 गुप्ता, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

एकदिवसीय भ्रमण पर जनपद पहुंचे मा0 प्रभारी मंत्री, विकसित भारत का अमृतकाल कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

मा0 प्रभारी मंत्री, मा0 जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने जिले के 21 मेधावी छात्र–छात्राओं को वितरित किया टैबलेट एवं प्रशस्ति पत्र
05 लाभार्थियों को प्रदान किया गोल्डेन कार्ड
देश एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का किया जा रहा संचालन–मा0 प्रभारी मंत्री
युवा पीढ़ी को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने हेतु टैबलेट का किया जा रहा वितरण–जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 12 जून, 2025। सू0वि0। प्रदेश के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आबकारी एवं मद्य निषेध विभागध्जनपद के प्रभारी मंत्री श्री नितिन अग्रवाल जी एक दिवसीय जनपद भ्रमण हेतु भिनगा स्थित आशा ए0एन0एम0 ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे। जनपद पहुंचने पर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, मा0 विधायक श्रावस्ती रामफेरन पाण्डेय, मा0 जिलाध्यक्ष डा0 मिश्रीलाल वर्मा, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने अगुवानी कर स्वागत किया। इस दौरान मा0 प्रभारी मंत्री जी ने गार्ड की सलामी ली। तत्पश्चात् विकसित भारत का अमृतकाल प्रदर्शनी कार्यक्रम का फीता काटकर एवं द्वीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया।

तदोपरान्त मा0 प्रभारी मंत्री ने कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचकर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी के मंशानुसार प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मेधावी छात्र सम्मान योजनान्तर्गत वर्ष–2025 के तहत टैबलेटध्पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। जिसमें हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के कुल 21 मेधावी छात्र–छात्राओं को परीक्षाओं में प्रथम स्थान पाने पर टैबलेट वितरित किया गया। इस दौरान मा0 प्रभारी मंत्री, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, मा0 विधायक, मा0 जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने टैबलेट, 21–21 हजार रूपये का चेक, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। इस प्रकार जनपद में हाईस्कूल के 10 व इण्टरमीडिएट के 11 छात्रध्छात्राओं को सम्मानित किया गया। टैबलेट व प्रशस्ति पत्र पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस दौरान मा0 प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों ने 05 लाभार्थियों को गोल्डेन कार्ड भी प्रदान किया। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी के वर्चुअल कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। जिसे माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों, कर्मचारियों व छात्र–छात्राओं द्वारा देखा व सुना गया।

इस दौरान मा0 प्रभारी मंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार युवाओं के उज्वल भविष्य हेतु प्रतिबद्ध है। उनकी बेहतर शिक्षा के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत आज युवाओं को टैबलेट एवं चेक का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं का तकनीकी सामर्थ्य प्रदेश को तरक्की व खुशहाली के रास्ते पर ले जायेगा। उन्होने कहा कि छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कर एवं लैपटॉप व स्मार्टफोन देकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाया जा रहा है। उन्होंने मोबाइल फोन का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए छात्र–छात्राओं का आह्वान भी किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि युवा पीढ़ी को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए तथा शिक्षा को और बेहतर करने हेतु टैबलेट वितरित किये जा रहे हैं। जिससे छात्र–छात्राएं बेहतर पढ़ाई कर अपना मुकाम हासिल कर सकेंगे। उन्होने कहा कि आज के युग में स्मार्टफोनध टैबलेट हर व्यक्ति के लिए आवश्यकता बन चुकी है। इसलिए आप लोगों को जो टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं, उसका प्रयोग केवल अच्छे कार्य व पढ़ाई के लिए करते हुए आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आपका मार्ग प्रशस्त करें, और अपने माता–पिता के सपनों को साकार कर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन करें।

कार्यक्रम के अन्त में जिलाधिकारी ने मा0 प्रभारी मंत्री जी को गेहूं के डंठल से बनी हुई कलाकृति भेंट की।

इस अवसर पर मा0 जनप्रतिनिधिगण के साथ अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) अमरेन्द्र कुमार वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक मिथलेश कुमार, आशुतोष पाण्डेय, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गिलौला प्रकाश चन्द्र, विनय कुमार तिवारी सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मा. सदस्या, राज्य महिला आयोग एवं पुलिस अधीक्षक ने भिनगा नगर में किया रूट मार्च, महिलाओं को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

श्रावस्ती, 12 जून 2025 । सू 0वि0। महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्या डॉ० प्रियंका मौर्या एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा बुधवार को सायंकाल संयुक्त रूप से भिनगा नगर क्षेत्र में रूट मार्च किया गया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय नागरिकों, विशेष रूप से महिलाओं से संवाद कर सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उनकी राय भी जानी तथा उन्हें सुरक्षा का भरोसा भी दिलाया।

मा0 सदस्या ने कहा कि रूट मार्च का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास जागृत करना, असामाजिक तत्वों में भय पैदा करना तथा क्षेत्र में कानून–व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि महिला आयोग महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए संकल्पित है। प्रत्येक महिला को निर्भीक होकर जीवन जीने का अधिकार है, और यह सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस द्वारा नियमित रूप से रूट मार्च, चेकिंग अभियान एवं महिला हेल्पलाइन की मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी असुविधा या आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। महिलाओं के लिए विशेष हेल्पलाइन 1090 तथा पुलिस हेल्पलाइन 112 आदि निरन्तर सक्रिय हैं।

रूट मार्च के दौरान बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिस कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी कर समस्त जनमानस में सुरक्षा व भयमुक्त वातावरण का संचार किया।

नहीं थम रहा फर्जी हाजिरी लगाने का सिलसिला

सीतापुर (संवाददाता)। ब्लॉक की 10 ग्राम पंचायतों में मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एपीओ ने जांच करवाकर कार्रवाई की बात कही है। ग्राम पंचायत बेलवा बसहिया में एक काम में चार मस्टररोल पर 36 मजदूर, कलिमापुर में एक काम में चार मस्टररोल पर 40 मजदूर दिखाए गए हैं। कुंडी में एक काम में दो मस्टररोल पर 19 मजदूर, नसीरपुर में दो काम में आठ मस्टररोल पर 80 मजदूर, टेंडवाकलां में दो काम में आठ मस्टररोल पर 78 मजदूर, उमराखुर्द में दो काम में नौ मस्टररोल पर 78 मजदूर व अन्य ग्राम पंचायतों में इसी तरह की हेराफेरी देखने को मिली।

हाई मास्ट लाइटों से जगमगाएंगे गांव

सीतापुर (संवाददाता)। हरगांव विधानसभा क्षेत्र के गांव सेमी हाई मास्ट एलईडी लाइट से जगमगाएंगे। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने अपनी विधायक निधि से 111 हाई मास्ट लाइट लगाने की स्वीकृति सीडीओ को दी है। इसके लिए स्थान भी तय कर दिए गए हैं कि किस गांव में कहां पर लाइट लगाई जाएगी। कार्यदायी संस्था का निर्धारण भी हो गया है। एस्टीमेट बनाकर लाइट लगाने की कार्यवाही शुरू की जाएगी। गांवों में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था न होने से ग्रामीणों को कई तरह की दुश्वारियां झेलनी पड़ती हैं। इस समस्या के समाधान के लिए हरगांव विधायक, कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने पार्टी कार्यकर्ताओं और संभ्रांत व्यक्तियों से मशविरा कर संबंधित गांवों और स्थलों की सूची तैयार कराई जिससे वहां रोशनी सुलभ कराने की व्यवस्था की जा सके।

जैविक और प्राकृतिक खेती के लिए किया प्रेरित

सीतापुर (संवाददाता)। ऐलिया ब्लॉक के ग्राम सरवांगपुर में बुधवार को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में डीएम अभिषेक आनंद ने प्रतिभाग किया। उन्होंने किसानों को फसलों के विविधीकरण, मशरूम उत्पादन, सोलर पंप से सिंचाई, प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया। केवीके कटिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ. दयाशंकर श्रीवास्तव ने किसानों को खरीफ फसलों में लगने वाले कीटों एवं उनके समाधान के विषय में जानकारी दी। शस्य वैज्ञानिक डॉ. शिशिरकांत सिंह ने मृदा परीक्षण के लाभ बताए। किसानों को अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण कराने के लिए प्रेरित भी किया जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग किया जा सके।

फंदे से लटकता मिला युवक का शव

सीतापुर (संवाददाता)। शहर स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर (पीटीसी) में तैनात एक कर्मचारी का शव बुधवार देर शाम फंदे से लटकता हुआ मिला। एडीजी पीटीसी जय नारायण सिंह के मुताबिक सुनील कुमार (45) सईश थे। इस पद पर तैनात लोग पीटीसी में मौजूद घोड़े का रखरखाव करते हैं। वह छुट्टी पर थे लेकिन किन्हीं कारणों से वह परिसर में बने आवास में रुके थे। उनका शव आवास के बाहर पेड़ से लटकता मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। एडीजी पीटीसी जय नारायण सिंह के मुताबिक सुनील कुमार (45) सईश थे। इस पद पर तैनात लोग पीटीसी में मौजूद घोड़े का रखरखाव करते हैं। वह छुट्टी पर थे लेकिन किन्हीं कारणों से वह परिसर में बने आवास में रुके थे।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।